स्वास्थ्य सेवायें (Health Services)

महाराणा प्रताप अध्ययन एवं जन कल्याण संस्थान जयपुर द्वारा आरम्भ से ही स्वास्थ्य विभाग के साथ निरंतर कार्य किया जा रहा है। राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के तहत आशा सहयोगिनी प्रशिक्षण के साथ मेडिकल मोबाईल यूनिट, मेडिकल मोबाईल वैन तथा शहरी प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य केन्द्र योजना का सफल संचालन संस्थान द्वारा किया जा रहा है।

संस्थान द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के तहत आशा सहयोगिनी प्रशिक्षणों का आयोजन जयपुर जिले में किया गया इन प्रशिक्षणों चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, संदर्भ व्यक्तियों तथा संस्थान से जुड़े प्रशिक्षकों ने नव चयनित आशा सहयोगिनियों गर्भावस्था, प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य के बारे में प्रशिक्षण प्रदान किया।

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के तहत राजस्थान के सीकर जिले में राजीव गांधी ग्रामीण मेडिकल मोबाइल यूनिट तथा वैन योजना का संचालन किया जा रहा है। इस यूनिट तथा वैन का संचालन सीकर जिले के सी–टाइप गांवों में किया जा रहा है। इस मेडिकल मोबाईल यूनिट में एक डाक्टर, स्टाफ नर्स, लैब टेक्नीशियन, ड्राइवर की टीम निरंतर गांवों में जाती है

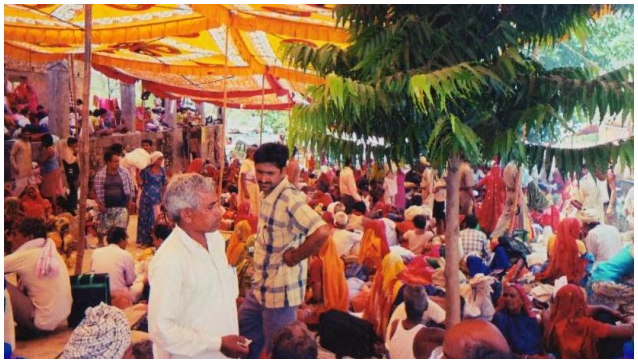

और रोगियों का इलाज करती है जिसमें एक डायग्नोस्टिक वाहन तथा स्टाफ वाहन संस्थान को आवंटित किया गया है। वर्तमान में यह यूनिट सीकर जिले के कूदन ब्लाक में संचालित की जा रही है।

इसी प्रकार नीमकाथाना, खण्डेला, श्रीमाधोपुर, दांता, फतेहपुर, लक्ष्मणगढ़ एवं पीपराली में राजीवगांधी मेडिकल मोबाईल वैन का संचालन किया जा रहा है। यह वाहन

प्रतिमाह बीस गांवों में जाकर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाते हैं। इसके अलावा समय–समय पर लगने वाले चिकित्सा शिविरों, लोक पर्वों पर भी यह वाहन तथा मेडिकल टीम स्वास्थ्य सेवायें प्रदान कर रही है।

इसी प्रकार राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के तहत राजस्थान के नागौर जिले के

मकराना तथा परबतसर पंचायत समिति क्षेत्रों में राजीव गांधी ग्रामीण मेडिकल मोबाइल वैन योजना का संचालन किया जा रहा है। यह वाहन प्रतिमाह बीस गांवों में जाकर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाते हैं। इसके अलावा समय–समय पर लगने वाले चिकित्सा शिविरों, लोक पर्वों पर भी यह वाहन तथा मेडिकल टीम स्वास्थ्य सेवायें उपलब्ध करवा रहा है।

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के तहत बीकानेर शहर के गोगा गेट कच्ची बस्ती क्षेत्र में शहरी प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य केन्द्र का संचालन किया जा रहा हैं। इस केन्द्र पर एक चिकित्सक, एक स्टाफ नर्स, एक एलएचवी, चार एएनएम, डाटा इन्ट्री आपरेटर, लैब टेक्नीशियन, सफाई कर्मचारी का स्टाफ कार्यरत है। केन्द्र के परियोजना क्षेत्र में अनेक स्थानों पर बैठकें आयोजित कर राष्ट्रीय

टीकाकरण अभियान के बारे में जानकारी प्रदान की जाती है। वहीं एएनसी केस में आवश्यक टीके लगवाने को प्रेरित किया जाता है। आम जनता को गर्भनिरोधक साधनों को अपनाने, संक्रामक बिमारियों के बचाव तथा स्वच्छता रखने के लिए प्रेरणा दी जाती है। इसके अलावा राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत डिस्पेन्सरी में तथा घर–घर जाकर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाती है।